14 (HIN–2) 2·3 (N/O)

2019

HINDI

Paper : 2·3

(New Syllabus & Old Syllabus)

(Hindī Sāhitya Kā Itihās–III and Hindī Gadya : Nātya Sāhitya)

Full Marks : 64/80

Time : Three hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions.

New Syllabus

हिन्दी साहित्य का इतिहास-III

कुल अंक : 64

1. आधुनिक काल के नामकरण पर विचार करते हुए उसके उप-विभाजन पर सम्यक प्रकाश डालिए। 12

अथवा

आधुनिक काल की परिस्थितियों पर एक लेख प्रस्तुत कीजिए।

2. छायावाद की काव्य-प्रवृत्तियों पर सोदाहरण विचार कीजिए। 12

अथवा

प्रगतिवादी कविताओं की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

3. हिन्दी नाटक के उद्‌भव-विकास पर एक लेख लिखिए। 12

अथवा

प्रेमचन्द के कहानी साहित्य का परिचय दीजिए।

4. हिन्दी के जीवनी साहित्य पर एक निबंध लिखिए। 12

अथवा

हिन्दी के अभिनन्दन एवं स्मृति ग्रंथ पर प्रकाश डालिए।

5. टिप्पणी लिखिए : *(किन्हीं चार)* 4×4=16

(क) कवि अज्ञेय

(ख) उपन्यासकार जैनेन्द्र

(ग) आत्मकथा

(घ) साक्षात्कार

(ङ) कहानीकार यशपाल।

Old Syllabus

हिन्दी गद्य : नाट्य साहित्य

कुल अंक : 80

1. अधोलिखित अवतरणों में से ***किन्हीं दो*** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8×2=16

(क) महाराज! कल्लू बनिया की दीवार गिर पड़ी सो मेरी बकरी नीचे दब गयी। दोहाई है, महाराज, न्याव हो।

(ख) इस पिशाच ने छलना के लिए रूप बदला है। सम्राट का अभिषेक होने वाला है। यह उसी में कोई प्रपंच रचने आया है। मेरी कोई न सुनेगा, नहीं तो मैं स्वयं इसे दंड-नायक को समर्पित कर देती।

(ग) मै गौ हूँ, लेकिन मुझे दुहने वाला कहाँ है? और मेरे योग्य बछड़ा और दोहन-पात्र जिसमें मेरे दूध की धाराएँ एकत्र हो! .... तुम राजा हो, प्रजा के नेता हो।

(घ) हकीम साहब को फौरन यहाँ आने की इतिल्ला करो। बादशाह सलामत की तबीयत खराब होती जा रही है। फौरन जाओ। हकीम साहब अमीरों के दूसरे कमरे में होंगे।

2. पात्र-योजना की दृष्टि से 'अंधेर नगरी' नाटक का विवेचन कीजिए। 12

अथवा

'अंधेर नगरी' के नामकरण की सार्थकता पर विचार कीजिए।

3. 'स्कन्दगुप्त' नाटक की ऐतिहासिकता पर एक समीक्षात्मक लेख प्रस्तुत कीजिए। 12

अथवा

अभिनेयता की दृष्टि से 'स्कन्दगुप्त' की आलोचना कीजिए।

4. " 'पहला राजा' नाटक नाट्य-शिल्प की दृष्टि से एक अभिनव प्रयोग है।" प्रस्तुत कथन की समीक्षा कीजिए। 12

अथवा

'पहला राजा' नाटक में शुक्राचार्य की भूमिका पर विचार प्रकट कीजिए।

5. छोटे नाटक की दृष्टि से 'पर्दे के पीछे' की समीक्षा कीजिए। 12

अथवा

"'और वह जा न सकी' पुराने ढाँचे की घटनाबहुल आकस्मिकता से बना हुआ नाटक है।" इस कथन की सतर्क पुष्टि कीजिए।

6. *किन्हीं चार* प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 4×4=16

(क) जातवाला (ब्राह्मण) ने बाजार में क्या कहा था?

(ख) अंधेर नगरी नामक नगर की *तीन* विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ग) 'स्कन्दगुप्त' के आधार पर प्रसाद जी की नारी-दृष्टि सम्बन्धी विचारों को स्पष्ट कीजिए।

(घ) स्कन्दगुप्त की *किन्हीं चार* विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ङ) जगदीशचन्द्र माथुर की नाटक सम्बन्धी *दो* विशेषताएँ लिखिए।

(च) 'पहला राजा' नाटक की लोकप्रियता के *तीन* कारण लिखिए।

(छ) एकांकीकार भुवनेश्वर पर एक टिप्पणी प्रस्तुत कीजिए।